पुणेकर™

म.प्र.कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित

माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा

(संविदा शाला शिक्षक वर्ग 2)

गणित

सॉल्व्ड पेपर्स

(व्याख्यात्मक हल सहित)

2023-2018

आपकी सफलता का सहयोगी . . .

पुणेकर पब्लिकेशन्स

खजूरी बाजार–इन्दौर

© **सर्वाधिकार प्रकाशकाधीन**

- इस पुस्तक में दिए गए किसी भी भाग के लिए प्रकाशक /विक्रेता/मुद्रक/लेखक इस बात को कतई सुनिश्चित नही करता है कि इस पुस्तक के दी गई जानकारी अंतिम रुप से पूर्ण है। पाठकों को यदि इस पुस्तक के किसी भी अंश या प्रश्न पर कोई संशय है तो वह अपन स्त्रोत के आधार पर उसका आकलन करे एवं यदि इस पुस्तक मे कोई विसंगति पाता है निम्न पते पर इस विसंगति को बताये जिससे कि आगामी संस्करण मे इस पुस्तक में सुधार किया जा सके। इस पुस्तक को प्रकाशित करने में प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई हैं फिर भी किसी त्रुटि के लिए , परीक्षार्थी को होने वाले किसी भी संताप या नुकसान के लिए प्रकाशक/विक्रेता/ लेखक जिम्मेदार नहीं होगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी भी अंश का प्रतिलिपिकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानांतरण, किसी भी रूप में या किसी या विधि से, इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो प्रतिलिपि, रिकार्डिंग प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के बिना नहीं किया जा सकता है।

- इस पुस्तक का प्रकाशन प्रतियोगी परीक्षाओं में तैयारी की दृष्टि से किया गया है। इस पुस्तक के लेखक/ प्रकाशक/विक्रेता का किसी भी समुदाय/व्यक्ति/संस्था/धर्म को किसी भी प्रकार से ठेस पहुँचाने का उद्देश्य नहीं है फिर भी यदि कहीं कोई त्रुटि हुई हो तो क्षमा करें।

- किसी भी प्रश्न पर संशय होने पर कर्मचारी चयन मंडल की वेबसाईट का अध्ययन करे एवं उसे ही सही माने।

- किसी भी विवाद के लिए न्यायक्षेत्र इन्दौर होगा।

- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रुप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।

- संस्करण –**2027**

- **प्रकाशक : पुणेकर पब्लिकेशन्स, इन्दौर**
  खजूरी बाजार इन्दौर

विषयसूची

क्र. विषय		पृष्ठ
01- म.प्र. माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2023		
➢ 08/05/23	1 shift	01
➢ 08/05/23	2 shift	20
➢ 09/05/23	1 shift	40
➢ 09/05/23	2 shift	60
➢ 10/05/23	1 shift	80
02- म.प्र. माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2018		
➢ 24/02/2019	1 shift	100
➢ 24/02/2019	2 shift	113
➢ 25/02/2019	1 shift	126
➢ 25/02/2019	2 shift	140
➢ 26/02/2019	1 shift	153

TM
पूर्णांकर

संविदा शाला शिक्षक वर्ग-2
म.प्र. माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2023 सॉल्व्ड पेपर्स

08 May 2023, Shift-1

काव्यांश

निर्देशः काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न 1-4 तक के सबसे उचित उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए-

किन उपकरणों का दीपक,
किसका जलता है तल?
किसकी वर्ति, कौन करता
इसका ज्वाला से मेल?
शून्य काल के पुलिनों पर–
आकर चुपके से मौन,
इसे बहा जाता लहरों में
वह रहस्यमय कौन?
कुहरे सा धुंधला भविष्य है,
है अतीत तम घोर;
कौन बता देगा जाता यह
किस असीम की ओर?
पावस की निशि में जुगुनू का–
ज्यों आलोक-प्रसार,
इस आभा में लगता तम का
और गहन विस्तार।
इन उत्ताल तरंगों पर सह–
झंझा के आघात,
जलना ही रहस्य है बुझना–
है नैसर्गिक बात।

1. निम्न में से उपर्युक्त पंक्तियों के रचयिता का नाम बताइए-
(अ) सुमित्रानंदन पंत
(ब) गजानन माधव मुक्तिबोध
(स) भारत भूषण
(द) महादेवी वर्मा

उत्तर-(द) महादेवी वर्मा
यह कविता महादेवी वर्मा द्वारा रचित है, जो अपनी रहस्यवादी और आध्यात्मिक कविताओं के लिए प्रसिद्ध है। इसमें 'दीपक' और 'लहरों' के माध्यम से जीवन के रहस्यों का वर्णन किया गया है।

2. निम्न में से नैसर्गिक शब्द का क्या अर्थ है ?
(अ) कृत्रिम
(ब) बनावटी
(स) स्वाभाविक, प्राकृतिक
(द) मानव-निर्मित

उत्तर-(स) स्वाभाविक, प्राकृतिक
'नैसर्गिक का अर्थ होता है जो प्रकृति से प्राप्त हो या सहज हो। इसका विलोम 'कृत्रिम' (बनावटी) होता है।

3. निम्न में से 'पावक' में कौन सी संधि है?
(अ) यण स्वर संधि
(ब) अयादि स्वर संधि
(स) गुण स्वर संधि
(द) दीर्घ स्वर संधि

उत्तर-(ब) अयादि स्वर संधि
पावक का संधि विच्छेद = पौ + अक
अयादि संधि के नियमानुसार, जब 'औ' के बाद कोई भिन्न स्वर आता है, तो वह 'आव' में बदल जाता है।

4. उपर्युक्त पंक्तियों के अनुसार, _____ ही रहस्य है बुझना नैसर्गिक बात है।
(अ) जलना (ब) पावस
(स) ज्वाला (द) दीपक

उत्तर-(अ) जलना
कविता की अंतिम पंक्तियों के अनुसार, "जलना ही रहस्य है बुझना-है नैसर्गिक बात।" यहाँ कवि का आशय है कि जीवन का अस्तित्व (जलना) एक रहस्य है, जबकि मृत्यु (बुझना) एक स्वाभाविक घटना है।

गद्यांश

निर्देशः नीचे दिए गए गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्न 5-8 तक के सबसे उचित उत्तर वाले विकल्पों का चयन कीजिए-

हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है, तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते हैं। उनकी बेचैनी समझ में नहीं आती। संविधान में स्पष्ट प्रावधानों के बाद भी यह अविश्वास का माहौल बनता क्यों है? यहाँ हम केवल एक ही प्रावधान को याद करें । संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के लिए निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा गया है : 'संघ का यह कर्तव्य होगा कि वह हिन्दी भाषा का प्रसार बढ़ाए, उसका विकास करे, जिससे वह भारत की सामाजिक संस्कृति के सभी तत्वों की अभिव्यक्ति का माध्यम बन सके और उसकी प्रकृति में हस्तक्षेप किए बिना हिन्दुस्तानी और आठवीं अनुसूची में विनिर्दिष्ट भारत की अन्य भाषाओं में प्रयुक्त रूप, शैली और पदों को आत्मसात् करते हुए और जहाँ आवश्यक या वांछनीय हो वहाँ उसके शब्द-भंडार के लिए मुख्यतः संस्कृत से और गौणतः अन्य भाषाओं से शब्द ग्रहण करते हुए उसकी समृद्धि सुनिश्चित करे ।'

यही सब देखकर हिन्दी के विषय में अक्सर यह लगने लगता है जैसे संविधान के संकल्पों का निष्कर्ष कहीं खो गया है और हम निर्माताओं के आशय से कहीं दूर भटक गए हैं। सहज ही मन में ये प्रश्न उठते हैं कि हमने संविधान के सपने को साकार करने के लिए क्या किया? क्यों नहीं हमारे कार्यक्रम प्रभावी हुए? क्यों और कैसे अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता हम पर और हमारी युवा एवं किशोर पीढ़ी पर इतनी हावी हो चुकी है कि इसी मिट्टी से जन्मी हमारी अपनी भाषाओं की अस्मिता और भविष्य संकट में प्रतीत होता है। शिक्षा में, व्यापार और व्यवहार में, संसदीय, शासकीय एवं न्यायिक प्रक्रियाओं में हिन्दी और प्रादेशिक भाषाओं को वर्चस्व क्यों नहीं मिल पा रहा है।

5. दिए गए विकल्पों में से उपर्युक्त गद्यांश के लिए उचित शीर्षक का चयन कीजिए।
(अ) हिंदी भाषा के प्रसार की आवश्यकता
(ब) अंग्रेज़ी भाषा की मानसिकता
(स) भारत की सामाजिक संस्कृति
(द) भारत का संविधान

उत्तर-(अ) हिंदी भाषा के प्रसार की आवश्यकता
पूरा गद्यांश संविधान के अनुच्छेद 351, हिन्दी के विकास के निर्देशों और वर्तमान में हिन्दी के सामने आने वाली चुनौतियों पर केन्द्रित है, इसलिए यह शीर्षक सबसे उपयुक्त है।

6. निम्नलिखित में से 'अधिक' शब्द की उत्तमावस्था क्या होगी?
(अ) अधिकतम (ब) अधिकतर
(स) अधिकार (द) अधिकारी

उत्तर-(अ) अधिकतम
विशेषण की तीन अवस्थाएँ होती है-
मूलावस्थाः अधिक
उत्तरावस्थाः अधिकतर
उत्तमावस्थाः अधिकतम

7. उपर्युक्त गद्यांश के अनुसार असत्य कथन का चयन कीजिए-
(अ) संविधान के अनुच्छेद 351 में हिन्दी भाषा के विकास के निर्देश दिए गए है।
(ब) हिन्दी के बारे में या उसके विरोध के बारे में जब भी कोई हलचल होती है, तो राजनीति का मुखौटा ओढ़े रहने वाले भाषा व्यवसायी बेनकाब होने लगते हैं।